चिरंजीवी
मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना
पात्र जन लाभ उठाने के लिए सम्पर्क करें
डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल)
टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर, हनुमानगढ़ रोड, श्रीगंगानगर

टी मीडिया

tmedia@tantiauniversity.com

टांटिया समूह, श्रीगंगानगर का गौरवशाली प्रकाशन

बीकानेर सम्भाग में पहली बार विश्व की अत्याधुनिक व बड़ी
M.R.I. (एम.आर.आई.)
1.5 Tesla (16 Channel)
मशीन द्वारा जांच अब श्रीगंगानगर में

टांटिया जनरल हॉस्पिटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर
0154-2481505, 94139-50724
आपातकालीन सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध

वर्ष : 02 | अंक : 02 | पाक्षिक | श्रीगंगानगर | 30 जून, 2021 | मोबाइल : 9461221718, 8005519250

जन सेवा हॉस्पिटल का डिपार्टमेंट ऑफ कार्डियो

परेशानी की उमस में प्रसन्नता की फुहार हृदय रोगियों का हो रहा है सफल उपचार

डॉ. राजीव वशिष्ठ

डॉ. प्रेम मित्तल

डॉ. महेंद्र मारूठी

डॉ. शशि शर्मा

जलज शर्मा

मिल रहा है और सफल उपचार से उनकी अपेक्षाएं पूरी हो रही हैं। जन सेवा हॉस्पिटल के कार्डियो डिपार्टमेंट ने अनेक जटिल मामलों में भी सफल सर्जरी कर अपनी श्रेष्ठता प्रदर्शित की है। डिपार्टमेंट के हेड चीफ कार्डियो वस्कुलर थोरोसिस सर्जन डॉ. राजीव वशिष्ठ, वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेम मित्तल, कार्डियक एनेस्थेटिक डॉ. महेंद्र मारूठी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशि शर्मा, कार्डियक परफ्यूजनिस्ट सीसीपी जलज शर्मा काफी अनुभवी हैं। डिपार्टमेंट की टीम में शामिल अन्य सभी जने समर्पित भाव एवं मनोयोग से की जा रही सेवा से मरीजों और उनके परिजनों का दिल भी जीत रहे हैं। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले ही नहीं हॉस्पिटल में दूर-दूर से आने वाले हृदय रोगियों को भी डिपार्टमेंट ऑफ कार्डियो का भारी लाभ मिल रहा है।

श्रीगंगानगर।

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) का डिपार्टमेंट ऑफ कार्डियो परेशानी की उमस में प्रसन्नता की फुहार साबित हो रहा है। हृदय रोगियों को विशेषज्ञता का लाभ

सरकारी योजनाओं के लिए अधिकृत

जन सेवा हॉस्पिटल सरकारी योजनाओं के लिए भी अधिकृत है। ईएसआईसी अंशधारकों के लिए

विशेषज्ञता व अनुभव के संगम का मिल रहा लाभ

सुविधाएं हैं। इससे ईएसआई में बीमित एवं उनके परिवार, ईएसआई स्टाफ एवं ईएसआई पेंशनर्स को फायदा मिलता है। सुपर स्पैशिलिटी ट्रीटमेंट (एसएसटी) एवं सैकण्डरी लेवल ट्रीटमेंट (एसएलटी) के लिए सरकार ने जन सेवा हॉस्पिटल को स्वीकृत किया है। हॉस्पिटल मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, आयुष्मान भारत महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना, जननी सुरक्षा योजना जैसी सरकारी योजनाओं, पेंशनर्स, प्रमुख बीमा कम्पनियों के बीमा प्रकरणों के लिए अधिकृत है, बड़ी संख्या में पात्र लोग लाभ उठा रहे हैं। विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श सिर्फ 10 रुपए में उपलब्ध करवाया जा रहा है। अत्याधुनिक विश्वस्तरीय सुविधाएं हैं, मरीज की भर्ती का रोजाना का शुल्क केवल 20 रुपए रखा हुआ है।

कमला देवी के दिल का हुआ बड़ा ऑप्रेशन

सादुलशहर तहसील के 15 एसपीएम चक

चौधरी चेतरामवाला की 50 वर्षीय कमला देवी के दिल का बड़ा ऑप्रेशन डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत सफलता से हुआ है। उनका एक वाल्व बदलने एवं एक वाल्व रिपेयर करने का जटिल ऑप्रेशन हुआ। कमला देवी के जेठ के पुत्र हरीसिंह ने बताया कि उनकी चाची के तीन लड़के हैं, इनमें से एक की शादी हो चुकी है। उनके चाचा रामनारायण का निधन हो चुका है। कमला देवी बीमारी के कारण काफी परेशान थी, परामर्श लिया तो ऑप्रेशन बताया गया। परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य होने के कारण एक बार तो पशोपेश में पड़ गए कि कैसे सब कुछ होगा लेकिन जब पता चला कि योजना के तहत निःशुल्क ऑप्रेशन हो सकता है तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। अब सफल ऑप्रेशन के बाद मरीज स्वास्थ्य लाभ कर रही हैं।

सुजल-नेहा व परिवार की खुशी का नहीं ठिकाना

श्रीगंगानगर के मुकर्जी नगर के भाई-बहिन सुजल और नेहा की खुशी का कोई ठिकाना ही नहीं है। उनकी माता 38 साल की माता अनिता दिल की बीमारी के चलते बहुत परेशान थी। अनिता के पति परिवार के मुखिया अनिल टेलरिंग का काम करते हैं। मरीज की छोटी उम्र और परिवार के बड़े अरमान, सभी को अनिता की बहुत चिन्ता थी। जन सेवा हॉस्पिटल के कार्डियो डिपार्टमेंट में ऑप्रेशन कर समस्या का समाधान किया गया। सुजल अपनी खुशी का इजहार करते समय भावुक हो गया, उसने बताया कि हॉस्पिटल की टीम ने पूरा ध्यान रखा। टीम एवं मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का आभार जताते हुए सुजल की नानी प्रवीण ने कहा कि जन सेवा हॉस्पिटल की सेवा वास्तव में तारीफ के काबिल है। चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ ने बहुत दिल से सेवा की है, इसकी जितनी सराहना की जाए कम है।

मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास गर्ग की है खास पहचान

श्रीगंगानगर।

जिला मुख्यालय के टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल की ख्याति चारों तरफ है, अपने विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा दक्ष टीम की बदौलत अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा है। हॉस्पिटल में नियमित सेवाएं दे रहे स्वर्ण पदक विजेता मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास गर्ग की भी खास पहचान है। सुपर स्पेशिलिटी यूरोलॉजी में भारत सरकार के डिप्लोमेट ऑफ नैशनल बोर्ड (डीएनबी) की परीक्षा में पूरे देश में

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल की ख्याति चारों तरफ

सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले टांटिया हॉस्पिटल के वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ. विकास गर्ग के अनुभव एवं बारीक पकड़ से मरीजों को बहुत लाभ मिल रहा है। पटियाला एवं नाडियाड से उच्च शिक्षित डॉ. गर्ग की मूत्र रोग के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान है। डॉ. गर्ग किडनी एवं पेशाब की नली में पत्थरी के ऑप्रेशन दूरबीन एवं लेजर से तथा प्रोस्टेट का ऑप्रेशन दूरबीन से करने के सिद्धहस्त हैं। इसके अलावा पेशाब के रूक-रूक कर आने, बार-बार आने, जल्दी आने, पेशाब करने में जोर लगने, पेशाब में खून आने, अपने आप निकल जाने का भी वे इलाज करते हैं। किडनी, पेशाब की थैली, प्रोस्टेट कैंसर के इलाज, पेशाब के रास्ते की रूकावट के ऑप्रेशन, पुरुषों की सैक्स संबंधी समस्याओं के इलाज आदि में भी डॉ. गर्ग ख्याति प्राप्त हैं। उनके अनुभव का श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ जिले ही नहीं पंजाब-हरियाणा सहित अनेक राज्यों के रोगी लाभ उठा रहे हैं।

डॉ. विकास गर्ग

सफलता की सूची लम्बी

डॉ. विकास गर्ग की सफलता की सूची बहुत लम्बी है। उन्होंने कितने ही जटिल मामलों में मरीजों की समस्या का समाधान कर सराहना प्राप्त की है। लगभग 72 साल के एक बुजुर्ग प्रोटेस्ट संबंधी समस्या से बहुत तकलीफ में थे। अनेक जगह इलाज करवाया लेकिन निदान नहीं हुआ। पूरी जांच के बाद डॉ. गर्ग ने 80 ग्राम से अधिक के प्रोटेस्ट का सफल ऑप्रेशन किया। रायसिंहनगर इलाके का 70 वर्षीय मरीज पेशाब का रास्ता खराब होने से परेशान था। जयपुर, बीकानेर भी निराशा हाथ लगी। डॉ. गर्ग ने दूरबीन से इस रास्ते को ठीक कर राहत पहुंचाई है। इसी तरह 6 साल का बच्चा 3 साल से परेशान था। एक्सरे आदि के माध्यम से पूरी जांच की और पीलीबंगा क्षेत्र के इस बालक को एक माह तक दवाई दी तो वह परेशानी से बच गया। ये तो कुछ उदाहरण मात्र हैं, डॉ. गर्ग ने काफी आहत मरीजों को राहत पहुंचाई है।

सुविधाओं की वजह से सराहना

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल अत्याधुनिक विश्वस्तरीय उपकरणों तथा उपलब्ध विश्वसनीय सुविधाओं की वजह से सराहना प्राप्त कर रहा है। एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेस मेकर, डिवाइस क्लोजर, कैथ लैब सहित अनेक सुविधाएं हैं। सीसीयू, एडल्ट इकोकाडिज़्योग्राफी, बच्चों की इकोकार्डियोग्राफी, एंजियोग्राफी (फीमोरल एंड रेडियल), बैलून से हृदय वाल्व को खोलने, पांव एवं गुर्दे के नसों की एंजियोप्लास्टी, कम्प्यूटराइज्ड ईसीजी, सीटी पलमोनरी, डिजिटल एक्स-रे, हाईटेक लेबोरेट्री, जन्मजात हृदय रोगों का उपचार, टीएमटी आदि की सुविधा अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित उपकरण टांटिया हॉस्पिटल में उपलब्ध है।

टी मीडिया
टांटिया समूह, श्रीगंगानगर का गौरवशाली प्रकाशन
बुधवार, 30 जून 2021 (02)

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना साबित हो रही सच्चा सहारा

डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में मिल रहा लाभ

लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री का जताया आभार और बोले, बहुत बढ़िया काम कर रही है सरकार

श्रीगंगानगर।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सच्चा सहारा साबित हो रही है। कोरोना के अलावा अन्य रोगों में भी मरीजों और उनके परिवारों की मददगार बनी इस योजना का श्रीगंगानगर की हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में काफी जने लाभ उठा चुके हैं और यह क्रम लगातार जारी है। लाभार्थी लोगों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बारम्बार आभार जताते हुए कहा है कि सरकार बहुत बढ़िया काम कर रही है। इनका यह भी कहना था कि शारीरिक व्याधि के कारण मरीज और उनके परिजन पहले बहुत अधिक हैरान-परेशान होते हैं, आर्थिक रूप से कमजोरी कोढ़ में खाज का काम करती है, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना वास्तव में परेशानी के जख्म पर मरहम के समान है। ऐसे लोग डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में उपलब्ध सेवाओं की भी मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए चिकित्सकों एवं पूरी टीम को थैंक्स बोल रहे हैं।

चिरंजीवी
मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना

हिंजरासर की सरोज रानी बोली, जितनी प्रशंसा की जाए कम

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना परेशानी के अंधकार में आशा का उजाला है, इसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। यह कहना है सूरतगढ़ तहसील के गांव हिंजरासर की सरोज रानी का। उन्होंने बताया कि पित्त की पथरी की वजह से आए दिन दर्द होता था, खुद और परिवार को बहुत दिक्कत थी। कई तरह की आशंकाएं रातों की नींद उड़ा देती थी। उपचार के लिए चिकित्सकीय परामर्श लिया गया तो ऑप्रेशन की सलाह दी गई। किसी ने बताया कि श्रीगंगानगर के डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में योजना के अंतर्गत ऑप्रेशन निःशुल्क होता है तो यहां आ गए। जांच के बाद ऑप्रेशन कर दिया गया है और पूरी तरह संतुष्टि है।

तकलीफ थी बहुत बड़ी, बीमा योजना से टली संकट की घड़ी

पदमपुर के वार्ड नं. 4 के दिहाड़ी मजदूर सुरेश कुमार को बहुत बड़ी तकलीफ थी, पांव और सिर में दर्द से करीब दो साल से जीवन कष्टदायक हो गया था। इधर-उधर खूब परामर्श लिया लेकिन समाधान नहीं हुआ। किसी ने बताया कि डिस्क का बड़ा ऑप्रेशन होगा, खर्चा भी अधिक होगा। सुरेश कुमार के जीजा हरबंशलाल, माता काली बाई और साला राजू मरीज की स्थिति बयां करते समय भावुक हो जाते हैं। हरबंशलाल ने बताया कि परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है, जब पता चला कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में ऑप्रेशन मुफ्त हो जाएगा तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा, श्रीगंगानगर के डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर में अब सफल ऑप्रेशन होने के बाद काफी आराम है।

सरकार की संवेदनशीलता तारीफ के काबिल

बीए में अध्ययनरत सुखचैन सिंह राज्य सरकार की बीमा योजना से बहुत खुश हैं। उसके पिता जसवीर सिंह मजदूरी करते हैं, परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। हनुमानगढ़ जिले के गांव हरीपुरा के उसके परिवार में तीन बहिनें भी है। पित्त की पथरी के कारण उसके पिता काफी परेशान थे। कई बार तो दर्द असहनीय हो जाता था। तकलीफ से निजात पाने के लिए ऑप्रेशन बताया गया। कोरोना के कारण एक तो घर से बाहर निकलने में भय लग रहा था, ऊपर से मजदूरी का काम ठप प्राय होने से माली हालत भी खराब थी। डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर में बीमा योजना में निःशुल्क सफल ऑप्रेशन के बाद पिता एवं पूरा परिवार बहुत प्रसन्न है। सरकार की यह संवेदनशीलता तारीफ के काबिल है।

बिटिया पूजा के सफल ऑप्रेशन से पूरा परिवार प्रसन्न

एक एलएसएम अनूपगढ़ का दिहाड़ी मजदूर राजकुमार और पूरा परिवार आज प्रसन्न है। उसकी सबसे छोटी बेटी पूजा पथरी की तकलीफ से बहुत परेशान थी, कई बार तो दर्द बहुत अधिक होता था। परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटी एवं एक बेटा है, कोरोना में आर्थिक स्थिति और कमजोर हो गई। ऐसे में यह सोच, सोचकर रातों की नींद उड़ जाती थी कि कैसे पार पड़ेगी। राजकुमार के अनुसार यह तो भला हो खाद्य सुरक्षा से जुड़ा होने के कारण मुख्यमंत्री चिरंजीव स्वास्थ्य बीमा योजना का, इसकी वजह से मुफ्त ऑप्रेशन हो गया। श्रीगंगानगर के डॉ.एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर में किसी प्रकार का खर्चा भी नहीं लगा, सभी को ऐसी जनकल्याणकारी योजना से जरूर जुड़ना चाहिए।

स्वास्थ्य बीमा योजना सचमुच संजीवनी

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सचमुच संजीवनी बूटी साबित हो रही है। कोरोना से संक्रमित होने वालों के लिए तो यह योजना वरदान है। चूरूजिले के राजगढ़ तहसील के गांव मोडाबासी की 41 वर्षीय रूखसाना बानो का श्रीगंगानगर के डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर में योजना के अंतर्गत उपचार हुआ है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताते हुए वे कहती हैं कि ऐसी जन कल्याणकारी योजनाओं की जितनी तारीफ की जाए कम है। रूखसाना के भाई राणासर के मोहम्मद अकरम ने बताया कि उनके बहनोई आरिफ खान अभी विदेश में है, परिवार खेतीबाड़ी का काम करता है। योजना सभी, विशेष रूप से गरीबों के लिए बहुत लाभदायक है।

बच्चों को बड़ा बनाने का सपना अब हो सकेगा साकार

टेलर रोशनलाल बोले, मुख्यमंत्री रख रहे हैं सभी का ध्यान

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से सूरतगढ़ तहसील के सिद्धूवाला के टेलर रोशनलाल को लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि दुनिया में कहर बरपाने वाली महामारी की जकड़न में आना और ऊपर से परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होना, ऐसे में कैसे पार पड़ेगी सोच, सोचकर तनाव बढ़ रहा था। श्रीगंगानगर के डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर में इलाज करवाने वाले रोशनलाल स्वास्थ्य बीमा योजना को जीवन रक्षक बताते हैं। वे कहते हैं मुख्यमंत्री सभी का ध्यान रख रहे हैं,12 वर्षीय बेटे मोहित और 18 साल की बेटी योगिता का जिक्र करते हुए वे भावुक हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को बड़ा आदमी बनाना चाहते हैं। अब बच्चों का पहले की तरह पूरा ध्यान रख पाएंगे और उनका कॅरियर बना पाएंगे।

जीवन मैं जैसे तूफान, जीवन हुआ आसान

मूल रूप से पश्चिम बंगाल की जलपाईगुड़ी की गीता राय परिवार सहित हनुमानगढ़ रहती हैं। पति सैमल राय एक फैक्ट्री में श्रमिक हैं और बेटी सुष्मिता राय एवं पुत्र संजीत राय कॅरियर बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। सब कुछ ठीकठाक चल रहा था अचानक कोरोना संक्रमण ने जैसे जीवन में तूफान आ गया लेकिन सरकार की योजना ने जीवन आसान कर दिया।

श्रीगंगानगर के डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर में उपचार प्राप्त करने वाली गीता राय की पुत्री बीएसएसी में अध्यनरत सुष्मिता मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताते स्वास्थ्य बीमा योजना की जमकर तारीफ करती है।

पूरा लाभ मिलना सर्वोच्च प्राथमिकता

डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के पात्र मरीजों को पूरा लाभ मिलना सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्धारित पैकेज और प्रोसिजर के अनुसार उपचार किया जा रहा है। हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मोहित टांटिया खुद प्रतिदिन न केवल विस्तृत ब्यौरा लेते हैं, जरूरी निर्देश भी देते हैं। हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह कुलड़िया के अनुसार योजना की जानकारी देने के लिए हॉस्पिटल परिसर में अनेक जगह फ्लैक्स लगाए गए हैं। योजना की जानकारी, सुझाव और किसी प्रकार की परेशानी या शिकायत के समाधान के लिए इसी हॉस्पिटल में अलग से विशेष प्रकोष्ठ भी बनाया गया है। जनरल मैनेजर डॉ. विकास सचदेवा इसकी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। कोई भी उनसे कभी भी मिलकर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकता है।

डॉ. मोहित टांटिया

हॉस्पिटल प्रबंधन ने मरीजों एवं उनके परिजनों से यह अपेक्षा जरूर जताई हुई है कि वे हॉस्पिटल में भर्ती होते समय जन आधार कार्ड, जन आधार नम्बर, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की पॉलिसी के दस्तावेज जरूर प्रस्तुत करें। अगर किसी कारणवश भर्ती होते समय पंजीकरण दस्तावेज, परिवार पहचान पत्र नहीं है तो भर्ती होने की निर्धारित अवधि के भीतर हॉस्पिटल में जमा अवश्य करवाएं। भर्ती होते समय हॉस्पिटल प्रबंधन को योजना का पात्र परिवार होने की जानकारी दी जानी चाहिए। निम्न आय वर्ग तथा सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, सामाजिक आर्थिक जनगणना 2011 के पात्र परिवारों, लघु व सीमांत कृषक व संविदाकर्मियों का पूरा प्रीमियम राज्य सरकार वहन कर रही है। अन्य परिवार सिर्फ 850 रुपए प्रति वर्ष के प्रीमियम पर योजना से जुड़ सकते हैं। योजना के तहत चिन्हित बीमारियों के लिए 50 हजार रुपए तथा गंभीर बीमारियों के लिए 4 लाख 50 हजार रुपए का स्वास्थ्य बीमा कवर लाभार्थियों को दिया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर टांटिया यूनिवर्सिटी की रही सक्रिय सहभागिता

आयुर्वेद संकाय के शिविर में बताया प्राणायाम का महत्व

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी की अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर सक्रिय सहभागिता रही। इसके आयुर्वेद संकाय ने ऑनलाइन शिविर रखा, प्रारम्भ में यूनिवर्सिटी के श्रीगंगानगर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड हॉस्पिटल के प्राचार्य डॉ. सुभाष उपाध्याय ने सभी को इस दिवस की शुभकामनाएं दीं। योगाचार्य संदीप कुमार भाम्भू ने प्राणायाम का महत्व बताया साथ ही प्रोटोकाल करवाया।

प्रार्थना के बाद आसन और ध्यान का अभ्यास भी करवाया। कॉलेज के स्वस्थ वृत्त एवं योग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपम पाठक ने आभार जताया।

एनसीसी के योग शिविर में टीयू के प्रभारी छाए

श्रीगंगानगर।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर टांटिया यूनिवर्सिटी के एनसीसी प्रभारी योगाचार्य संदीप कुमार भाम्भू एनसीसी की 15 राज बटालियन के तत्वावधान में रखे गए ऑन लाइन शिविर में प्रशिक्षण देकर छाए। इसमें एक हजार से अधिक जने लाभान्वित हुए। नेहरू युवा केंद्र, विश्व योग भारती, यूनिवर्सिटी के शारीरिक शिक्षा संकाय आदि की इसमें सहभागिता रही। कर्नल संजय गुप्ता, कैप्टन अरूण शहैरिया, कैप्टन एन. एस. धारीवाल, लेफ्टिनेंट अजय शर्मा, सूबेदार अनिल कुमार, पूरे जिले के 45 शिक्षण संस्थानों के एनसीसी के कैडेट, उनके परिवार जन, सीनियर एवं जूनियर डिवीजन के एनसीसी के अधिकारी आदि ने इसमें भाग लिया। फेसबुक पर लाइव किए गए इस शिविर में भांभू ने योग का महत्व भी बताया।

योगाचार्य भाम्भू का हुआ अभिनंदन

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के शारीरिक शिक्षा संकाय के सहायक व्याख्याता एवं एनसीसी इकाई के प्रभारी योगाचार्य संदीप कुमार भाम्भू का शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास जोधपुर प्रान्त ने अभिनंदन किया है। न्यास की 'रोग निवारण-योग एवं आयुर्वेद के साथ' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी में भाम्भू ने अपनी विशेषज्ञता एवं अनभव से लाभान्वित किया। क्षेत्र संयोजक डॉ. चंद्रशेखर कच्छावा, दुर्गाप्रसाद अग्रवाल एवं प्रांत संयोजक संदीप जोशी ने अभिनंदन पत्र में भाम्भू की सराहना करते हुए मंगलकामनाएं दी हैं।

अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में डॉ. राजेंद्र गोदारा रहे मुख्य अतिथि

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेंद्र गोदारा महाराष्ट्र के भारत महाविद्यालय, इण्डो-यूरोपियन लिटरेरी डिस्कोर्स (यूक्रेन) एवं भिवानी (हरियाणा) के बोहल शोध मंजूषा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। समकालीन हिन्दी साहित्यः विविध विमर्श विषय पर इसका आयोजन हुआ।

प्रो. (डॉ.) एम. एम. सक्सेना ने ग्लोबल वार्मिंग पर दी राय

श्रीगंगानगर में इस बार 8 दिन की गर्मी

पश्चिमी विक्षोभ के चलते श्रीगंगानगर में 47.3 डिग्री ही पहुंचा पारा, 24 जिले तापघाती हवा से अछूते रहे

भास्कर संवाददाता | श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर, चूरू, जैसलमेर और बाड़मेर जैसे जिलों का नाम सुनते ही जेहन में आंधी, धूल, भीषण गर्मी का अहसास होता है। लेकिन इस बार जैसा मौसम दो दशक में नहीं देखा गया। मानसून आने को है लेकिन इस साल तेज गर्मी के सिर्फ आठ दिन ही रहे। पूरे राज. की बात करें तो सिर्फ नौ जिलों में तापघाती हवा चली। 24 जिले तापघाती हवा से अछूते ही रहे। यहां तक कि नौतपा में भी इस बार पारे ने घुटने टेक दिए। यही कारण है कि इस बार श्रीगंगानगर में 47 डिग्री अधिकतम पारा देशभर में रहा, जो अमूमन 48 से 49 डिग्री के पार पहुंच जाता है।

ग्लोबल वार्मिंग की वजह से मौसम शिफ्ट हो रहा हैः सक्सेना

हम एक मौसम को देखते हैं और पिछले मौसम को भूल जाते हैं। गौर करें तो पाएंगे कि जो सर्दी अक्टूबर में शुरू हो जाती थी। दिवाली पर लोगों को गर्म कपड़े पहनने पड़ते थे वो अब ऐसा नहीं रहा। अब नवम्बर के अंत में सर्दी शुरू होती है। बारिश जून के अंत में शुरू होती थी वो अब थोड़ी आगे खिसक गई। मानसून के आने ना आने का इस पर कोई असर नहीं। इसी तरह मार्च में तपिश शुरू होती थी लेकिन अब अप्रैल तक कूलर नहीं चलते। साफ संकेत है कि ये वेदर शिफ्टिंग है। भले ही 10 से 15 दिन का ही अंतराल हो लेकिन मौसम आगे खिसक रहा है। इसकी असली वजह ग्लोबल वार्मिंग है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग का असर बहुत धीरे-धीरे दिखता है लेकिन वैज्ञानिक इसके अध्ययन में जुट गए हैं। आने वाले दो दशक में इसकी साफ झलक दिखेगी। ये शुरुआत है। मौसम शिफ्ट हुआ तो कई चेंजेज आएंगे। खासकर खेती का पैटर्न। यही वजह है कि बीकानेर जैसे तपिश वाले इलाके में सिर्फ चार दिन ही लू पड़ रही। जरूरी नहीं कि अगले साल भी ऐसा ही हो लेकिन हुआ है, इसका मतलब कुछ ना कुछ वजह है।

प्रो. एमएम सक्सेना

(पर्यावरण वैज्ञानिक व टांटिया विवि के कुलपति हैं)

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम. एम. सक्सेना के ग्लोबल वार्मिंग पर पर्यावरण वैज्ञानिक के रूप में एक्सपर्ट व्यू दैनिक भास्कर ने प्रमुखता से प्रकाशित हुए। इसमें उन्होंने बताया कि मौसम आगे खिसक रहा है, इसकी असली वजह ग्लोबल वार्मिंग है। आने वाले दो दशकों में इसकी साफ झलक दिखेगी। प्रो. (डॉ.) सक्सेना कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ सफल वैज्ञानिक भी हैं। लेखन, कला और साहित्य से भी प्रो. (डॉ.) सक्सेना विशेष जुड़ाव रखते हैं। वे पर्यावरण जीव विज्ञान में स्वर्ण पदक विजेता हैं। भारतीय मरूस्थलों की जल जैविकीय स्थिति विशेष रूप से मीठे पानी के स्पंज, प्रदूषण पारिस्थितिकी, मत्स्य पालन, सूक्ष्मजीव विज्ञान, कीट विज्ञान, वन्य जीवन, परजीव विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र ने किया पौधरोपण

अतिथियों को प्रतीक चिन्ह किए भेंट

श्रीगंगानगर।

जे. आर. टांटिया चैरिटेबल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निर्देश पर टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर में पौधरोपण किया। विभाग के सहायक निदेशक विक्रम सिंह, कार्यालय प्रभारी सुरेंद्र मदान, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की सहायक निदेशक ऋतु सोढ़ी ने कई पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजगता की सराहना की। जे. आर. टांटिया चैरिटेबल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के चेयरमैन व प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. विकास सचदेवा, साइकोलॉजिस्ट-काउंसलर डॉ. मनीष अरोड़ा, डॉ. के. के. अरोड़ा, डॉ. शशि शर्मा, राजकुमार जैन, अमित वर्मा, अरूण सक्सेना आदि इस मौके पर उपस्थित थे। अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

डॉ. रेखा सोनी ने किया पुस्तक का विमोचन

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी की वूमेन एंपावरमेंट सेल की चेयरपर्सन एवं शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की उप प्राचार्य डॉ. रेखा सोनी ने 'वैश्विक महामारी कोरोना चुनौती और समाधान' पुस्तक का विमोचन किया। स्वदेशी जागरण मंच के महिला प्रकोष्ठ के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपना कर राष्ट्र की आर्थिक उन्नति में सहायक हो सकते हैं। पुस्तक के रचयिता स्वदेशी स्वावलम्बन न्यास के अध्यक्ष प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा एवं स्वदेशी जागरण मंच के डॉ. सतीश आचार्य हैं।

टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर

Established by State Government Act 32 of 2013 U/S 2 (f) of UGC Act 1956

डी.पी.एड. प्रवेश विज्ञप्ति

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद से अनुमोदन के आधार पर सत्र 2021-22 के लिए डी.पी.एड. (शारीरिक शिक्षा) में दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण हेतु टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर को आवंटित 50 सीटों पर प्रवेश हेतु आशार्थियों से प्रवेश प्रार्थना पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। इस पाठयक्रम हेतु आवेदनार्थी की शैक्षणिक योग्यता राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर के समकक्ष सैकण्डरी एवं सीनियर सैकण्डरी 10+2 उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा तथा साथ में विद्यालयों की जिला/ राज्य / राष्ट्रीय स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता (एस.जी.एफ.आई) में भाग लिए होना अनिवार्य होगा। प्रवेश हेतु प्रवेशार्थी की न्यूनतम आयु 30.06.2021 को 18 वर्ष, अधिकतम आयु पुरूष सामान्य 23 वर्ष, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला आशार्थियों व अन्य को राज्य सरकार के नियमानुसार छूट दी जायेगी।

आवेदक दिनांक 23.06.2021 से 12.07.2021 सायं 5 बजे तक विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.tantiauniversity.com से ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे। भरे हुए आवेदन पत्र मय सत्यापित दस्तावेज दिनांक 19.07.2021 सांय 5 बजे तक प्रवेश कार्यालय, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर में स्वीकार किये जायेंगे। प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय के दूरभाष नं. 9414010013, 9414093087 व 9414432611 से प्राप्त की जा सकती हैं।

- रजिस्ट्रार टांटिया विश्वविद्यालय

अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस पर जे.आर. टांटिया चैरिटेबल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का जागरुकता कार्यक्रम

...मन के हारे हार है और मन के जीते जीत

सामाजिक कार्यकर्ता कमलजीत सिंह सूदन एवं अन्य विशिष्ट वक्ताओं ने दिए कई संदेश

सूदन ने कहा कि जैसी संगत होती है, वैसी रंगत होती है। अपने बच्चों की संगत का अच्छा होना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। नशा करने वालों को तिरस्कृत भाव से नहीं देखा जाए, बीमारी मान कर उनका नशा छुड़वाना चाहिए। जो नशा करते हैं, उनको समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए मददगार बनना चाहिए। एनडीपीएस एक्ट सहित कई कानूनों का जिक्र करते हुए सूदन ने कहा कि नशा अपराधों का कारण भी है, इसका बढ़ना बहुत चिंताजनक है। इसकी आदत और बीमारी का फर्क जानना चाहिए और अन्य पक्षों के अलावा मनोवैज्ञानिक पक्ष को भी जानकर नशा मुक्ति के लिए चल रहे प्रयासों में यथाशक्ति सहयोग करना चाहिए। जे. आर. टांटिया नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के चेयरमैन व प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. विकास सचदेवा ने कहा कि जागरुकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है, ऐसे प्रयास से ही समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है और अपेक्षित परिणाम मिलते हैं। केंद्र के साइकोलॉजिस्ट-काउंसलर डॉ. मनीष अरोड़ा, समाजसेवी रणवीर सिहाग, पठानवाला के सरपंच हरनीत सिंह, ख्यालीवाला के सरपंच प्रतिनिधि मोहनलाल रणवां भी मंच पर थे। प्रगतिशील गोपालक सुरेश बुडानिया, हंसराज महिया, डॉ. एस. एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) की आहार व पोषण विशेषज्ञ डॉ. शुभिता मेहन्दीरता सहित अनेक जनों की जागरुकता कार्यक्रम में सहभागिता रही। को-ऑर्डिनेटर राजकुमार जैन ने संयोजन किया।

समाज में वातावरण निर्माण में सक्रिय

जे. आर. टांटिया नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निर्देशन में समाज में नशा मुक्ति के लिए वातावरण निर्माण में सक्रिय है। गत दिनों तम्बाकू से नाता तोड़ो, स्वस्थ जीवन से नाता जोड़ो जैसे उद्गार के साथ विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया था। तम्बाकू से होने वाले नुकसान की जानकारी दी गई, इससे दूर रहने की प्रतिज्ञा करवाई गई वहीं संकल्प पत्र भी भरवाए गए। केंद्र नशा विरोधी मुहिम के अंतर्गत कट आउट और सेल्फी के माध्यम से सभी को नशे से दूर रहने के के लिए प्रेरित कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधरोपण भी केंद्र की तरफ से किया गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विक्रम सिंह, कार्यालय प्रभारी सुरेंद्र मदान, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की सहायक निदेशक ऋतु सोढ़ी इसी पखवाड़े केंद्र के पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल हुए और टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर में कई पौधे लगाए।

टांटिया यूनिवर्सिटी की पीएचडी की विशिष्ट पहचान विश्वसनीयता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान

ऑनलाइन एंट्रेंस एग्जाम 25 जुलाई को

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी (टीयू) की पीएचडी की विशिष्ट पहचान है। इसकी वजह विश्वसनीयता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना है। शोधार्थी को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मापदण्डों पर खरा उतरना पड़ता है। यूनिवर्सिटी निदेशक (शोध) डॉ. प्रवीण शर्मा एवं उनकी टीम शोध कार्यों संबंधी निदेशों की पालना के लिए सदैव सजग रहती है।

पीएचडी प्रोग्राम के अंतर्गत जुलाई 2021 के एंट्रेस एग्जाम का ब्यौरा जारी किया गया है। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई रखी गई है, ऑनलाइन एग्जाम 25 जुलाई सुबह 11 बजे होगा।

उल्लेखनीय है कि पीएचडी के लिए जो पात्रता रखते हैं, उनकी प्रवेश परीक्षा होती है, बाद में साक्षात्कार होता है। इसमें पास होने पर छह माह का कोर्स वर्क दिया जाता है, कोर्स वर्क की परीक्षा के बाद गाइड आवंटित किया जाता है। गाइड के मार्गदर्शन में निर्धारित समय में स्नोपसिस जमा करवानी होती है। रिसर्च एडवाइजरी कमेटी (आरएएसी) इसको बारीकी से देखती है, कमेटी की स्वीकृति के बाद शोध शुरू होता है। हर छह माह के अंदर-अंदर प्रगति रिपोर्ट आरएसी में जमा करवानी पड़ती है। तीन साल के पीएचडी प्रोग्राम के तहत थीसिस जमा होने से 6 माह पहले समरी देनी होती है। थीसिस जमा करवाने से पहले संबंधित विभाग में शोधार्थी को प्रस्तुति देनी होती है। थीसिस जमा होने के बाद ओपन वायवा होता है और सफलता के बाद पीएचडी की डिग्री मंजूर की जाती है। आरएएसी साहित्यिक चोरी आदि की भी पूरी जांच करती है। शोधार्थी का न्यूनतम एक रिसर्च पेपर प्रकाशित होना जरूरी होता है, इसके अलावा कम से कम दो सेमिनार में प्रस्तुति भी आवश्यक की हुई है।

डॉ. प्रवीण शर्मा

पीएचडी प्रोग्राम में शामिल विषय

होम्योपैथी, आयुर्वेद में द्रव्यगुण, रचना शरीर एवं स्वस्थवृत्त, फिजियोथैरेपी, नर्सिंग, लॉ, एज्युकेशन, फिजिकल एज्युकेशन, योग, जियोग्राफी, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, साइकोलॉजी, पब्लिक एडमिनिशट्रेशन, होम साइंस, पंजाबी, इकोनोमिक्स, अंग्रेजी, इतिहास, ड्राइंग एंड पेंटिग्स, सोशियोलॉजी, कम्प्यूटर साइंस, कॉमर्स, मैनेजमेंट, मेथमेटिक्स को टांटिया यूनिवर्सिटी के पीएचडी प्रोग्राम में शामिल किया हुआ है।

Tantia University
Excellence Innovation Achievement
(Established by State Government Act 32 of 2013 u/s 2 (f) of UGC Act 1956)
Sri Ganganagar 335002 (Raj.)
Entrance Exam July 2021
For
Ph.D. Programme
(As per UGC Regulation)
Applications are invited for Entrance Examination for admission to Ph.D. Programme in following subjects
- Homoeopathy
- Ayurveda (Dravyaguna)
- Ayurveda (Rachana Sharir)
- Ayurveda (Svasthavrtta)
- Physiotherapy
- Nursing
- Law
- Education
- Physical Education
- Yoga
- Geography
- Hindi
- Political Science
- Psychology
- Public Admin.
- Home Science
- Punjabi
- Economics
- English
- History
- Drawing & Painting
- Sociology
- Computer Science
- Commerce
- Management
- Mathematics
Details can be downloaded from www.tantiauniversity.com
Last Date For Application : 15 July 2021
(Those Appearing in Qualifying Exmination May Also apply)
Tentative Date of Entrance Exam-Sunday, July 25, 2021 (On-line)
(Time: 11.00 am to 12.30 noon)
Contact: Toll Free: 1800-123-1981, 94140-93087, 94140-10013, 94140-93083, Email: admission@tantiauniversity.com

पुण्य स्मृति: श्रद्धेय डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया
मार्गदर्शक: डॉ. विशु टांटिया
मुख्य सम्पादक: डॉ. विकास सचदेवा (मो. : 9461221718)
कार्यकारी सम्पादक: राजकुमार जैन (मो. : 8005519250)
पुण्य स्मृति: श्रद्धेय श्रीमती शकुन्तला देवी टांटिया

टांटिया समूह द्वारा जनहित में नि:शुल्क प्रसारित-प्रचारित। सर्वाधिकार सुरक्षित। बिना अनुमति, दुर्भावनावश, किसी भी अंश को कांट-छांटकर या सौजन्य उल्लेख के बिना उपयोग में लाए जाने पर दण्डनीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। - मुख्य सम्पादक
मुख्य कार्यालय : टी मीडिया, तृतीय तल, जन सेवा हॉस्पिटल, टांटिया विश्वविद्यालय परिसर, हनुमानगढ़ मार्ग, श्रीगंगानगर-335002